सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 22 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 196, पृष्ठः 8+4

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

» Pg 12

इनसाइड 24 घंटे में बाउंड्री दुरुस्त करने के आदेश... » Pg08

योगी सरकार की सख्ती से यूपी की ब्यूरोक्रेसी में हलचल

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता को लेकर बनाई गई कार्यशैली अब प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी की दिशा और दशा दोनों को बदल रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और ताबड़तोड़ प्रशासनिक फेरबदल के चलते कई दिग्गज आईएएस और पीसीएस अधिकारी या तो हाशिए पर जा चुके हैं या फिर राज्य से बाहर प्रतिनियुक्ति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2022 में सत्ता में वापसी के बाद से ही नौकरशाही को जवाबदेह और परिणाम आधारित बनाना चाहते हैं। इसका असर कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों और निलंबनों में साफ दिखता है। 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को 2025 में भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित कर दिया गया, वहीं 2011 बैच के देवेंद्र कुमार पांडेय को भी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में कार्रवाई का सामना करना पड़ा।

सूत्रों की मानें तो योगी सरकार में एक खास जातीय वर्ग के अधिकारियों को तरजीह दिए जाने की चर्चाएं भी तेज हैं। विपक्षी दल खासतौर पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव इसे 'क्षत्रियवाद' कहकर सरकार पर हमला बोलते रहे हैं।

यूपी की नौकरशाही में अधिकारी संख्या की भी भारी कमी देखने को मिल रही है। राज्य को जहां 652 आईएएस अधिकारियों की जरूरत है, वहाँ केवल 560 अधिकारी ही कार्यरत हैं। अपर मुख्य सचिव स्तर पर 16 में से केवल 11 पद ही भरे हैं। प्रमुख सचिव स्तर पर 36 में से 29 और सचिव स्तर पर 96 में से सिर्फ 58 पद ही सक्रिय हैं। इस स्थिति के पीछे वरिष्ठ अधिकारियों का केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाना एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

» पारदर्शिता को लेकर बनाई गई कार्यशैली अब प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी की दिशा और दशा दोनों को बदल रही है

» कई आईएएस, पीसीएस अधिकारी या तो हाशिए पर जा चुके हैं या फिर राज्य से बाहर प्रतिनियुक्ति को प्राथमिकता दे रहे

भारी पैमाने पर हुए तबादले और डिमोशन

हाल के वर्षों में यूपी सरकार ने सैकड़ों आईएएस और पीसीएस अधिकारियों का तबादला किया है। कई अधिकारियों को अपेक्षाकृत कम प्रभावशाली विभागों में भेजा गया, जिसे नौकरशाही में डिमोशन की तरह देखा जा रहा है। सितंबर 2024 में प्रनत ऐश्वर्य को अंबेडकरनगर से हटाकर विशेष सचिव (नमामि गंगे) बनाया गया, वहीं उमेश प्रताप सिंह को भूतत्व से हटाकर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग भेजा गया।

कुछ अधिकारी हाशिए पर तो कुछ को नई उड़ान

कुछ अधिकारियों जैसे प्रणय सिंह, अमनदीप डुली और आलोक यादव को अभी तक कम प्रभावशाली पदों पर ही रखा गया है, जबकि सूत्रों के अनुसार वे जिलाधिकारी पद के योग्य माने जा रहे हैं। वहीं, 22 पीसीएस अधिकारियों को आईएएस में प्रोन्नत कर नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

सख्ती के इस दौर में भी सरकार की योजनाओं को लागू करने में नौकरशाही की भूमिका बेहद अहम रही है। कन्या सुमंगला योजना, एमएसपी वृद्धि, मुफ्त बस सेवा जैसी योजनाओं को लागू करने में ब्यूरोक्रेसी ने सराहनीय सहयोग दिया है। 2025 के कुंभ मेला की तैयारियों की जिम्मेदारी विजय किरन आनंद जैसे अधिकारियों को देकर सरकार ने अनुभव और क्षमता पर भरोसा भी जताया है। भले ही इस सख्ती की वजह से कई वरिष्ठ अधिकारियों को हाशिए पर जाना पड़ा हो, लेकिन नए और ऊर्जावान अफसरों के लिए यह एक अवसर भी बना है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह रणनीति सुशासन की दिशा में कितनी कारगर साबित होती है।

सनसनीखेज एक चूक से पकड़ी गई, परिवार से खफा होकर उनकी जान की दुश्मन बनी

बहू ने आटे में मिलाया जहर, पूरे परिवार के खात्मे का था प्लान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कौशांबी। यूपी के कौशांबी जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। करारी क्षेत्र के मलकिया गांव में रविवार रात एक महिला अपने ही परिवार के जान की दुश्मन बन गई। आरोप है कि उसने आटे में जहर मिला दिया। पति की शिकायत पर पुलिस ने महिला सहित उसके भाई व पिता के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। तीनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। मलकिया (बजहा खुर्समपुर) निवासी बृजेश कुमार मौर्य सऊदी अरब में हेल्पर है। ढाई माह पूर्व वह घर आया था। बृजेश ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे उसकी पत्नी मालती खाना बना रही थी। आरोप है कि आटा गूंथते समय बृजेश को जहरीले पदार्थ की दुर्गंध आई। उसने देखा कि आटे का रंग थोड़ा काला है। मालती से पूछा तो उसने कहा कि वह परिवार से तंग आ गई है। सभी को जहरीला खाना खिलाकर मारना चाहती है। यह सलाह उसके पिता कल्लू प्रसाद व भाई बजरंगी निवासी मनौरी ने फोन पर दी है। बृजेश ने फौरन डॉयल-112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसके मायके से पिता कल्लू व भाई बजरंगी को हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर विनीत सिंह ने बताया कि गूंथे हुए आटे के सैंपल को जांच के लिए भेजा जाएगा।

» महिला सहित उसके भाई व पिता के खिलाफ केस दर्ज

» पूरे परिवार को जहरीला खाना खिलाकर मारना चाहती थी

मोबाइल पर बातचीत को लेकर होता था झगड़ा

बृजेश कुमार मौर्य ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। वह सऊदी अरब में ही रहता था। जबकि, पत्नी व बच्चे संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं। बृजेश का आरोप है कि उसकी गैर मौजूदगी में मालती देवी फोन पर घंटों किसी से बात करती थी। मना करने पर वह झगड़ा करती थी। सऊदी अरब से वह घर लौटा तो कई बार देख कि पत्नी मोबाइल पर किसी से बात कर रही है।

केडीए में 'ऑपरेशन क्लीन' की दूसरी बड़ी कार्रवाई, 53 लिपिकों का तबादला

» उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यांयाल प्राधिकरण की छवि बदलने में जुटे हुए हैं

» पहले सुपरवाइजर हटाए फिर ओएसडी रैंक में फेरबदल किया अब बाबुओं का नंबर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए ऑपरेशन क्लीन अभियान की दूसरी बड़ी कार्रवाई सामने आई है। इस क्रम में केडीए उपाध्यक्ष (वीसी) मदन सिंह गर्ब्यांयाल द्वारा 53 लिपिकों (बाबुओं) का तबादला किया गया है। इससे पूर्व ओएसडी और जूनियर इंजीनियर के ट्रांसफर के जरिए इस अभियान की पहली स्ट्राइक की गई थी।

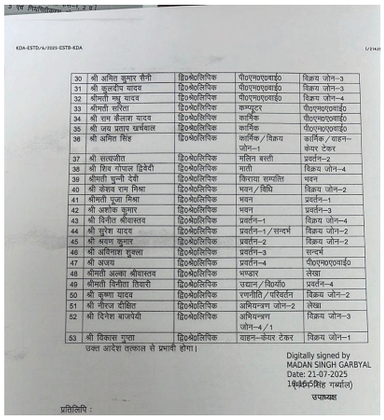

सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रांसफर लिस्ट विक्रय, प्रवर्तन, केयर टेकर, नक्शा अनुमोदन, जनसूचना, संपत्ति, वसूली और लेखा जैसे अहम सेक्शन में व्यापक फेरबदल के तहत जारी की गई है। केडीए प्रशासन ने

मदन सिंह गर्ब्याल प्राधिकरण वीसी

यह कदम कार्य संस्कृति में सुधार, जवाबदेही तय करने और फील्ड व कार्यालय कार्यों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया है।

विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि ऑपरेशन क्लीन अभी रुका नहीं है। आने वाले दिनों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ट्रांसफर सूची भी जारी हो सकती है। प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों का मानना है कि कुछ पुराने चेहरों को जिम्मेदारियों से हटाकर नए और कर्मठ कर्मचारियों को मौका दिया जाएगा, जिससे कार्य दक्षता और सेवा वितरण में सुधार लाया जा सके।

इस मुहिम को लेकर प्राधिकरण के अंदरूनी हलकों में हलचल तेज हो गई है। जहां एक ओर कर्मठ और निष्पक्ष कर्मचारियों में उत्साह है, वहीं लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे कर्मचारियों की चिंता भी बढ़ गई है।

केडीए वीसी की यह कार्रवाई यह संकेत देती है कि ऑपरेशन क्लीन केवल औपचारिक पहल नहीं, बल्कि एक ठोस और निरंतर प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य प्राधिकरण को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनता के प्रति जवाबदेह बनाना है।

KDA-ESTD/6/2025-ESTB-KDA 1/2143

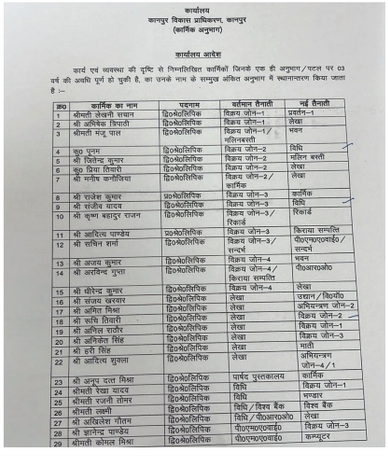

30	श्री अमित कुमार सैनी	द्वि0श्रे0लिपिक	पी0एम0ए0वाई0	विक्रय जोन–3
31	श्री कुलदीप यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	पी0एम0ए0वाई0	विक्रय जोन–3
32	श्रीमती मधु यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	पी0एम0ए0वाई0	विक्रय जोन–4
33	श्रीमती सरिता	द्वि0श्रे0लिपिक	कम्प्यूटर	पी0एम0ए0वाई0
34	श्री राम कैलाश यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	कार्मिक	पी0एम0ए0वाई0
35	श्री जय प्रताप खर्चवाल	द्वि0श्रे0लिपिक	कार्मिक	पी0एम0ए0वाई0
36	श्री अमित सिंह	द्वि0श्रे0लिपिक	कार्मिक / विक्रय जोन–1	कार्मिक / वाहन–केयर टेकर
37	श्री सत्यजीत	द्वि0श्रे0लिपिक	मलिन बस्ती	प्रवर्तन–2
38	श्री शिव गोपाल द्विवेदी	द्वि0श्रे0लिपिक	माती	विक्रय जोन–4
39	श्रीमती चुन्नी देवी	द्वि0श्रे0लिपिक	किराया सम्पत्ति	भवन
40	श्री केशव राम मिश्रा	द्वि0श्रे0लिपिक	भवन / विधि	विक्रय जोन–2
41	श्रीमती पूजा मिश्रा	द्वि0श्रे0लिपिक	भवन	प्रवर्तन–1
42	श्री अशोक कुमार	द्वि0श्रे0लिपिक	भवन	प्रवर्तन–3
43	श्री विनीत श्रीवास्तव	द्वि0श्रे0लिपिक	प्रवर्तन–1	विक्रय जोन–4
44	श्री सुरेश यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	प्रवर्तन–1 / सन्दर्भ	विक्रय जोन–2
45	श्री श्रवण कुमार	द्वि0श्रे0लिपिक	प्रवर्तन–2	विक्रय जोन–2
46	श्री अविनाश शुक्ला	द्वि0श्रे0लिपिक	प्रवर्तन–3	सन्दर्भ
47	श्री अजय	द्वि0श्रे0लिपिक	प्रवर्तन–4	पी0एम0ए0वाई0
48	श्रीमती अल्का श्रीवास्तव	द्वि0श्रे0लिपिक	भण्डार	लेखा
49	श्रीमती विनीता तिवारी	द्वि0श्रे0लिपिक	उद्यान / वि0यॉ0	प्रवर्तन–4
50	श्री कृष्णा यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	रणनीति / परिवर्तन	विक्रय जोन–2
51	श्री नीरज दीक्षित	द्वि0श्रे0लिपिक	अभियन्त्रण जोन–2	लेखा
52	श्री दिनेश बाजपेयी	द्वि0श्रे0लिपिक	अभियन्त्रण जोन–4 / 1	विक्रय जोन–3
53	श्री विकास गुप्ता	द्वि0श्रे0लिपिक	वाहन–केयर टेकर	विक्रय जोन–1

उक्त आदेश तत्काल से प्रभावी होगा।

Digitally signed by MADAN SINGH GARBYAL
Date: 21-07-2025
(मदन सिंह गर्ब्याल)
उपाध्यक्ष

प्रतिलिपि :

कार्यालय
कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर
(कार्मिक अनुभाग)

कार्यालय आदेश

कार्य एवं व्यवस्था की दृष्टि से निम्नलिखित कार्मिकों जिनके एक ही अनुभाग / पटल पर 03 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है, का उनके नाम के सम्मुख अंकित अनुभाग में स्थानान्तरण किया जाता है :–

क्र0	कार्मिक का नाम	पदनाम	वर्तमान तैनाती	नई तैनाती
1	श्रीमती लेखनी सचान	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–1	प्रवर्तन–1
2	श्री अभिषेक त्रिपाठी	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–1	लेखा
3	श्रीमती मंजू पाल	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–1 / मलिनबस्ती	भवन
4	कु0 पूनम	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–2	विधि
5	श्री जितेन्द्र कुमार	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–2	मलिन बस्ती
6	कु0 प्रिया तिवारी	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–2	लेखा
7	श्री मनीष कनौजिया	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–2 / कार्मिक	लेखा
8	श्री राजेश कुमार	प्र0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–3	कार्मिक
9	श्री संजीव यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–3	विधि
10	श्री कृष्ण बहादुर राजन	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–3 / रिकार्ड	रिकार्ड
11	श्री आदित्य पाण्डेय	प्र0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–3	किराया सम्पत्ति
12	श्री सचिन शर्मा	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–3 / सन्दर्भ	पी0एम0ए0वाई0 / सन्दर्भ
13	श्री अजय कुमार	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–4	भवन
14	श्री अरविन्द गुप्ता	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–4 / किराया सम्पत्ति	पी0आर0ओ0
15	श्री धीरेन्द्र कुमार	द्वि0श्रे0लिपिक	विक्रय जोन–4	लेखा
16	श्री संजय खरवार	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	उद्यान / वि0यॉ0
17	श्री अमित मिश्रा	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	अभियन्त्रण जोन–2
18	श्री रूचि तिवारी	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	विक्रय जोन–2
19	श्री अनिल राठौर	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	विक्रय जोन–1
20	श्री अनिकेत सिंह	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	विक्रय जोन–3
21	श्री हरी सिंह	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	माती
22	श्री आदित्य शुक्ला	द्वि0श्रे0लिपिक	लेखा	अभियन्त्रण जोन–4 / 1
23	श्री अनूप दत्त मिश्रा	द्वि0श्रे0लिपिक	पार्षद पुस्तकालय	कार्मिक
24	श्रीमती रेखा यादव	द्वि0श्रे0लिपिक	विधि	विक्रय जोन–1
25	श्रीमती रजनी तोमर	द्वि0श्रे0लिपिक	विधि	भण्डार
26	श्रीमती लक्ष्मी	द्वि0श्रे0लिपिक	विधि / विश्व बैंक	विश्व बैंक
27	श्री अखिलेश गौतम	द्वि0श्रे0लिपिक	विधि / पी0आर0ओ0	लेखा
28	श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय	द्वि0श्रे0लिपिक	पी0एम0ए0वाई0	विक्रय जोन–3
29	श्रीमती कोमल मिश्रा	द्वि0श्रे0लिपिक	पी0एम0ए0वाई0	कम्प्यूटर

जागेश्वर मंदिर में 307वां महादंगल

» देश-विदेश के पहलवानों ने दिखाया दम

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। सावन के दूसरे सोमवार को नवाबगंज स्थित जागेश्वर मंदिर में 307वां पारंपरिक महादंगल आयोजित हुआ, जिसमें भारत और नेपाल के करीब 40 नामी पहलवानों ने भाग लिया। दर्शकों से भरे मैदान में महिलाओं की कुश्ती भी आकर्षण का केंद्र रही।पहली कुश्ती में अयोध्या के बाबा गौरी ने राजस्थान के रावण उर्फ पवन को हराकर 21,000 जीते। वहीं सबसे चर्चित मुकाबला

पंजाब के मौसम अली और पश्चिम बंगाल के नकाबपोश पहलवान के बीच हुआ,

जिसमें मौसम अली ने जीत दर्ज कर 1 लाख का इनाम जीता।कार्यक्रम में विधायिका नीलिमा कटियार, विधायक अमिताभ बाजपेई और अभिजीत सिंह सांगा बतौर अतिथि मौजूद रहे।दंगल संयोजक जितेंद्र पांडेय ने कार्यक्रम को संबोधित किया।सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन भी तैनात रहा और बड़ी संख्या में लोग कुश्ती का आनंद लेने पहुंचे।

जिलाबदर सोनू गुप्ता चला रहा है 'पुलिस उच्च अधिकारी यूपी नाम' का व्हाट्सऐप ग्रुप!

कानपुर पुलिस कमिश्नरेट को खुलेआम ठेंगा दिखा रहा है एक जिलाबदर अपराधी

स्वराज इंडिया प्रमुख संवाददाता

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट की प्रतिष्ठा और सिस्टम की निगरानी पर बड़ा सवाल खड़ा करता हुआ मामला सामने आया है। एक ऐसा शख्स, जिसे खुद प्रशासन ने कानपुर से जिलाबदर किया अब उसी का नाम पुलिस उच्च अधिकारी यूपी नामक व्हाट्सऐप ग्रुप का एडमिन बनकर सामने आया है। और यही नहीं, वह खुद को ग्रुप का 'मुख्य संचालनकर्ता' बताते हुए खुलेआम पुलिस के लोगो, पदनाम और प्रशासनिक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है।

यह शख्स और कोई नहीं, बल्कि सोनू गुप्ता है, वो नाम जो कानपुर में आपराधिक गतिविधियों, मुकदमों और थानों में दर्ज रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है।

जेल की हवा खा चुका, क़ानून की पकड़ में रह चुका यह व्यक्ति अब पुलिस के नाम की आड़ में सोशल मीडिया पर एक झूठा रसूख और अफसराना रुतबा गढ़ने में जुटा है। सूत्रों की मानें तो सोनू गुप्ता जिस व्हाट्सऐप ग्रुप को चला रहा है,उसमें पुलिस विभाग की भाषा,तौर-तरीकों,और छवियों का बेहद चालाकी से इस्तेमाल किया गया है।

ताकि आम लोगों को यह भ्रम हो कि ग्रुप किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा संचालित है। इससे भी ज़्यादा हैरान करने वाली बात ये है कि सोनू गुप्ता अपनी व्हाट्सऐप डीपी पर एक दरोगा के साथ बैठी हुई तस्वीर लगाए हुए है, जो न सिर्फ उसके झूठे रसूख को बढ़ाता है, बल्कि ये भी दिखाता है कि वह पुलिस तंत्र को लेकर कितना बेफिक्र है।

अब सवाल यह है कि...

जब एक जिलाबदर अपराधी पुलिस की पहचान का इस्तेमाल करते हुए ग्रुप चला सकता है,जब वह खुद को पुलिस का प्रतिनिधि बताकर अफसरों के नाम पर सन्देश पोस्ट कर सकता है,और जब वह दरोगा के साथ डीपी लगाकर वर्दी के साथ बैठने का सीन दिखा सकता है..तो क्या वाकई हमारी निगरानी प्रणाली अब भी जागरूक है।क्या पुलिस कमिश्नर को इसकी कोई जानकारी नहीं है।

या फिर यह डिजिटल दादागिरी किसी अंदरूनी संरक्षण की छाया में पल रही है।क्या ये महज़ एक व्हाट्सऐप ग्रुप है या किसी गहरी साजिश की शुरुआत।

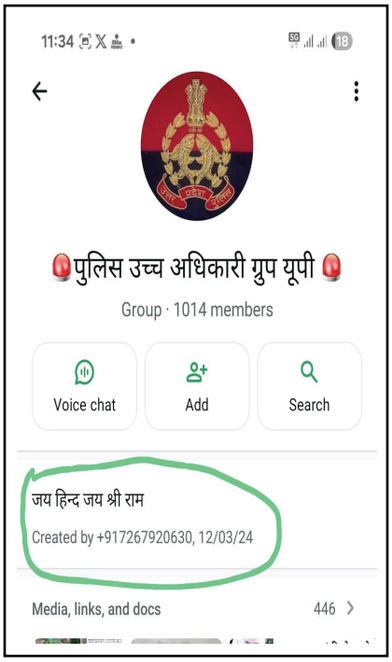

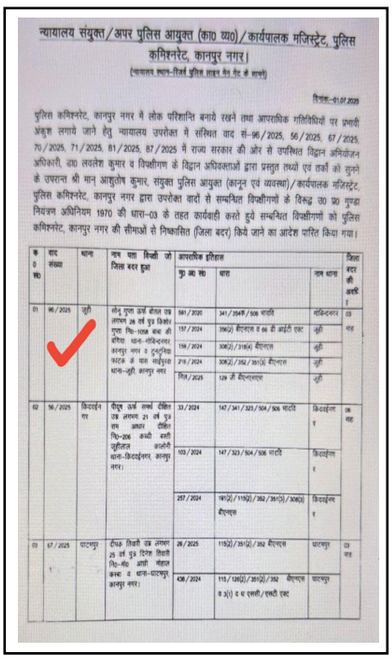

क्या ये मंच किसी फर्जीवाड़े, दखल, या भ्रांति फैलाने वाले नेटवर्क का हिस्सा है। और सबसे अहम,क्या अब अपराधी ही तय करेंगे कि पुलिस की छवि क्या होगी।सवाल पुलिस की छवि का नहीं, जनता के भरोसे का है।

पांच मुकदमे दर्ज हैं और जिला बदर

जिला बदर सोनू गुप्ता पर गंभीर धाराओं में एक-दो नहीं, बल्कि पांच से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें 341, 354क, 506 IPC से लेकर बीएनएस की नई धाराएं 308(2), 318(4), 352 और आईटी एक्ट की धारा 66ष तक शामिल हैं। गोविंद नगर और जूही थाने में दर्ज मामलों के चलते वह वर्तमान में जिला बदर है, इसके बावजूद वह खुलेआम पुलिस उच्च अधिकारी यूपी नामक व्हाट्सएप ग्रुप संचालित कर रहा है। यह न सिर्फ कानून की खुली अवहेलना है, बल्कि पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। अब देखना यह होगा कि ऐसे अपराधी प्रवृत्ति के शख्स पर कब तक कार्रवाई होती है या पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है।

> मामले की जानकारी की जाएगी, संबंधित डीसीपी से बात करके कार्रवाई करेंगे।
>
> **आशुतोष कुमार,** ज्वाइंट सीपी

बिल्हौर में निजी पल बिताते युवक-युवती से मारपीट

युवती से बदनीयती से छेड़छाड़, लफंगों ने बनाए वीडियो, सोशल मीडिया पर डाली बेशर्मी

आरोपी कुलदीप और वरुण को जेल ले जाती पुलिस।

युवती के साथ मारपीट करता युवक।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। क्षेत्र की एक सुनसान झाड़ी के पास एक युवक और युवती आपस में करीबी बातों में मशगूल थे, तभी कुछ स्थानीय दबंग युवकों ने मौके को गुनाह मान लिया और खुद ही न्याय करने के नाम पर बेरहमी से मारपीट और अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। युवती के साथ बदनीयती से छेड़छाड़ की गई, और पूरी घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया। वायरल हुए दो वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर फैला,पुलिस हरकत में आई। वीडियो में साफ दिखता है कि पहला युवक वीडियो बनाते हुए युवती को धमका रहा है कि इसे इंस्टाग्राम पर डाल दूंगा,दूसरा युवक युवती को थप्पड़ मारता है, उसके साथ अश्लील और आपत्तिजनक हरकतें करता है, जिससे युवती असहज और डरी हुई दिखाई देती है। तीसरा युवक युवती के साथ मौजूद युवक को पीट रहा है। हालांकि आपका अपना स्वराज इंडिया अख़बार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

पुलिस की तत्परता, दो गिरफ्तार: घटना का वीडियो वायरल होने के बाद बिल्हौर एसीपी अमरनाथ यादव ने मामले को गंभीरता से लिया। आरोपियों की पहचान रामबख्शपुरवा निवासी कुलदीप बहेलिया, अरुण बहेलिया और शिवम बहेलिया के रूप में हुई। इनमें से कुलदीप और अरुण को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि तीसरे की तलाश जारी है।

आरोपी युवक गिरफ्तार हुए

“वायरल वीडियो की जांच में यह घटना ग्राम रामबक्शपुरवा की पाई गई। वीडियो में जो युवक दिखाई दे रहे थे, उन्हें चिन्हित कर तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।
अमरनाथ यादव, एसीपी बिल्हौर

दोस्तों ने बहाने से बुला युवक को लहूलुहान किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कोतवाल क्षेत्र के पातिननिवादा गांव में भरोसे की चादर ओढ़े बैठे कलयुगी दोस्तों ने एक युवक को खून में डुबो दिया। युवक लवकुश को पहले फोन कर घर से बाहर बुलाया गया, फिर साथ ले जाकर उस पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजीत यादव, विकास व उनके चार साथियों ने मिलकर लवकुश को सुनसान जगह पर ले जाकर पीटा। सिर पर वार से युवक बेहोश हो गया। घटना के बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पीड़ित की मां पुष्पा देवी ने बिल्हौर थाने में तहरीर दी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि युवक को साजिशन बुलाकर मारा गया। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

श्रद्धा की उमड़ती लहर

हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के उद्घोषों ने घाटों को भक्तिमय बना दिया

सावन के दूसरे सोमवार को गंगा तटों पर आस्था का महासंगम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को गंगा तटों पर श्रद्धा, आस्था और सुरक्षा का त्रिवेणी संगम देखने को मिला। रविवार देर रात से ही आकिन, अकबरपुर, नानामऊ और खेरेश्वर जैसे प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के उद्घोषों ने घाटों और गलियों को भक्तिमय बना दिया। गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह होते-होते जनसैलाब में बदल गई। भक्तों ने विधिविधान से स्नान कर गंगा मैया को प्रणाम किया और फिर बेलपत्र, धतूरा, जल व दूध के साथ भोलेनाथ का पूजनकर मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। गंगा स्नान के साथ-साथ शिवालयों में भी भारी भीड़ रही। खेरेश्वर महादेव, भोलेश्वर महादेव और त्रिपुरेश्वर मंदिर सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

व्यवस्था से लेकर श्रद्धा तक-हर मोर्चे पर प्रशासन सतर्क : गंगा घाटों पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने व्यापक तैयारियां की थीं। घाटों की सफाई, बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवा और ट्रैफिक नियंत्रण जैसी व्यवस्थाएं पहले से चाक-चौबंद की गई थीं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से जल पुलिस और एनडीआरएफकी टीमें भी घाटों पर तैनात रहीं।

कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के संयुक्त पुलिस आयुक्त (क़ानून व्यवस्था) आशुतोष कुमार, डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने घाटों का दौरा कर व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं बिल्हौर एसीपी अमर नाथ, एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसील अभिनवचंद्र प्रशासनिक अमले के साथ लगातार निरीक्षण करते रहे।

नानामऊ गंगा घाट पर स्नान करते श्रद्धालु

सम्पादकीय

उन्नत ड्रोन तकनीक युद्ध में निर्णायक

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं।

ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है। वास्तव में, भारत ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए अधिकांश ड्रोनों को मुख्य रूप से अपनी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के बूते ही बेअसर करने में सक्षम रहा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ये भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों के भी अनुकूल हों। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।

इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है। हमें न केवल अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है ।

हम भी तो दोषी हैं राधिका की मौत के

क्षमा शर्मा

लड़की कुछ न करे तो समस्या, कुछ करे, ज्यादा पैसा कमाए, तो आफत। जाए तो जाए कहां। इसलिए राधिका की हत्या में उसका पिता तो जिम्मेदार है ही, समाज भी जिम्मेदार है, जो लड़के और लड़कियों को अलग-अलग नजरिये से...

लड़की कुछ न करे तो समस्या, कुछ करे, ज्यादा पैसा कमाए, तो आफत। जाए तो जाए कहां। इसलिए राधिका की हत्या में उसका पिता तो जिम्मेदार है ही, समाज भी जिम्मेदार है, जो लड़के और लड़कियों को अलग-अलग नजरिये से देखता है।**राधिका यादव, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनना चाहती थी। उसने एक म्यूजिक वीडियो भी बनाया था। उसमें इनामुल हक नाम के लड़के ने काम भी किया था। इनामुल हक ने कहा कि मेरी न उससे कोई दोस्ती थी, न ही वीडियो बनाने के दौरान हमारी कोई बातचीत हुई।**

सवाल यह है कि इन दिनों सोशल मीडिया के जरिए जब तमाम युवा ग्लोबल हो गए हैं। तब कौन किससे बात कर रहा है, इसे कैसे रोका जा सकता है। वह कोई भी हो सकता है-हिंदू, मुसलमान, ईसाई। कैसा समाज बना रहे हैं हम। कहा जा रहा है कि पिता वीडियो बनाने से नाराज था। उसने राधिका से वीडियो डिलीट करने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया। एक लड़की अगर कुछ करना चाहती है, तो उसकी राह में इतने रोड़े क्यों हैं। खबरों में आ रहा है कि पिता पंद्रह दिनों से सोया नहीं था।जिस दिन राधिका की मां का जन्मदिन था, वह घर की साज-सज्जा कर रही थी। रसोई में खाना पका रही थी, उसी वक्त उसे तीन गोलियां मार दी गईं। एक पिता जिसने अपनी बेटी को टेनिस खेलना सिखाया था, उसे महंगे से महंगे रैकेट लाकर दिए थे, जब उसके कंधे में चोट लग गई, तो राधिका ने टैनिस एकेडमी खोल ली। वह खूब चलने लगी। पता चला कि इससे पिता जब बाहर निकलता, तो आसपास के लोग कहते कि तुम्हारी बेटी तो तुमसे ज्यादा पैसे कमाती है। तुम उसकी कमाई खाते हो।यह घटना गुड़गांव के उस पॉश इलाके में हुई, जिसे उत्तर भारत का साइबर सिटी कहा जाता है। चमचमाती इमारतों और बड़े बहुराष्ट्रीय निगमों के दफ्तरों से ये शहर भरा पड़ा है। लेकिन इन सबसे क्या होता है, जब मन में कुछ और चल रहा हो। बेटी की कमाई पिता के लिए इतनी अपमानजनक बने कि उसकी हत्या करनी पड़े। बजाय इसके कि उसकी कमाई और कुछ करने के जज्बे की तारीफ की जाती, गर्व किया जाता, उसे मौत दे दी गई। क्यों भला। जो लड़की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हो, उसे इतनी भी आजादी नहीं कि वह कोई वीडियो बना सके। एकेडमी खोल सके। आखिर जो बातें उसकी तारीफ का कारण बनतीं, वे जान लेने का कारण कैसे बन गईं। प्रॉपर्टी डीलर का व्यवसाय करने वाले पिता का कहना है कि वह पड़ोसियों के तानों से तंग आ चुका था। उसने राधिका से कहा था कि घर में पैसे की कोई कमी नहीं है, वह एकेडमी बंद कर दे, मगर वह नहीं मानी।

आखिर वह क्यों मानती। इन दिनों कोई भी एकेडमी चलाना आसान बात नहीं है। मात्र तीन महीने की अवधि में ही यदि यह एकेडमी चल निकली और अच्छी आय होने लगी, तो इसमें उस लड़की के कितने प्रयत्न और मेहनत लगी होगी। अफसोस कि जिस पिता ने उसे सपने दिखाना सिखाया था, उन्हें पूरा करने में मदद की थी, उसी ने अपनी बेटी की जान ले ली।

स्वतंत्रता और संयम का संतुलन जरूरी

बेलगाम सोशल मीडिया

डा0 जगदीप सिंह

बीती चौदह जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत सुनिश्चित है, लेकिन यह असीमित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि इस स्वतंत्रता का उपयोग सामाजिक जिम्मेदारी, धार्मिक सौहार्द और व्यक्तिगत गरिमा के साथ संतुलित होना चाहिए। यह आदेश न केवल सोशल मीडिया पर बढ़ती हेट स्पीच और आपत्तिजनक सामग्री के मुद्दे को संबोधित करता है, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और लोकतांत्रिक प्रभावों को भी रेखांकित करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने वजाहत खान के मामले में सुनवाई करते हुए, जिसमें उन पर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के लिए कई राज्यों में प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया जा सकता। यह अधिकार अनुच्छेद 19(2) के तहत उचित प्रतिबंधों के अधीन है, जिसमें सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और दूसरों की गरिमा शामिल है।' जस्टिस नागरत्ना ने जोर दिया कि सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाली सामग्री (हेट स्पीच) सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देती है।कोर्ट ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री को नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, लेकिन यह सेंसरशिप का रूप नहीं लेना चाहिए। साथ ही, कोर्ट ने नागरिकों से स्व-नियंत्रण और सामाजिक जिम्मेदारी अपनाने की अपील की। एक अन्य मामले में, कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय की याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार ने भी इस बात को दोहराया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग स्वीकार्य नहीं है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का आधार है, क्योंकि यह नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने का अधिकार देता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट होता है कि यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ आती है। सोशल मीडिया पर अनियंत्रित और आपत्तिजनक सामग्री लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। सोशल मीडिया पर नफरत भरे भाषण और गलत सूचनाएं सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती हैं। यह विभिन्न समुदायों के बीच तनाव को बढ़ा सकता है, जो लोकतांत्रिक समाज में एकता और सहिष्णुता के सिद्धांतों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश इस ध्रुवीकरण को रोकने की दिशा में एक कदम है, क्योंकि यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और उपयोगकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराने पर जोर देता है।सोशल मीडिया ने विचारों के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन आपत्तिजनक सामग्री और हेट स्पीच ने इसको कई बार विषाक्त बना दिया है। कोर्ट का यह रुख सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक बहस रचनात्मक और सम्मानजनक बनी रहे, न कि अपमानजनक या हिंसक।कोर्ट ने सेंसरशिप के खिलाफ चेतावनी दी है, लेकिन साथ ही सरकारों को ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने की सलाह दी है। यदि सरकारें इसे अति-नियंत्रण के रूप में उपयोग करें, तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का कारण बन सकता है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। इसलिए, कोर्ट का यह आदेश सरकारों के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की चुनौती पेश करता है।

भारत जैसे बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक समाज में, सोशल मीडिया पर धार्मिक या सांप्रदायिक टिप्पणियां तनाव और हिंसा को जन्म दे सकती हैं। कोर्ट का यह आदेश ऐसी सामग्री पर अंकुश लगाकर सामाजिक एकता को बढ़ावा देगा। कोर्ट ने स्व-नियंत्रण पर जोर दिया है, जो नागरिकों को अपनी अभिव्यक्ति के प्रति अधिक जागरूक बनाएगा।

ग्रामीण मजदूर सभा ने राज्यपाल को भेजा पत्र, 600 रुपये दिहाड़ी समेत पांच सूत्री मांगें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। समाजवादी पार्टी की कानपुर ग्रामीण मजदूर सभा ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी 600 रुपये करने और 300 दिन काम देने समेत 5 सूत्री मांगें रखीं। उन्होंने सरकार की नीतियों और पुलिस उत्पीड़न पर भी सवाल उठाए।समाजवादी पार्टी की कानपुर ग्रामीण मजदूर सभा ने मंगलवार को राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें प्रतिदिन 600 रुपये मजदूरी समेत पांच प्रमुख मांगें रखी गईं। जिलाध्यक्ष ओमकार यादव ने कहा कि प्रदेश के किसान और नौजवान भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान और मजदूर रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। वहीं, पढ़े-लिखे नौजवान रोजगार न

मिलने के कारण आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।ज्ञापन में मनरेगा मजदूरों को साल में 300 दिनों का कार्य दिवस और प्रतिदिन 600 रुपये मजदूरी दी जाए। श्रम पोर्टल को तुरंत खोला जाए और लाभार्थियों को उसका लाभ दिया जाए। पुराने श्रम कानून बहाल किए जाएँ और नई श्रम संहिता को समाप्त किया जाए। प्रदेश के लगभग 5000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद होने से रोका जाए।पुलिस द्वारा दलितों और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न बंद किया जाए आदि मांगे शामिल थीं।

आरओ/एआरओ परीक्षा

एसटीएफ और पुलिस की रहेगी कड़ी निगरानी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई को आयोजित होने वाली आरओ/एआरओ परीक्षा को नकलमुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए योगी सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध किए हैं।एसटीएफ, खुफिया एजेंसियां और स्थानीय पुलिस संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखेंगे, जबकि परीक्षा में नकल माफिया और पुराने आरोपियों पर भी नजर रखी जा रही है।कोचिंग सेंटरों की गतिविधियों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप और टेलीग्राम की निगरानी के लिए अलग टीमें तैनात की गई हैं।

हर परीक्षा केंद्र पर कड़ी तलाशी व्यवस्था रहेगी, जिससे निषिद्ध सामग्री ले जाना संभव न हो सके। गोपनीय बंडलों की सुरक्षा के लिए सशस्त्र गार्ड और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।यदि कोई भी अभ्यर्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करता पाया गया तो उसके खिलाफ आईपीसी और यूपी परीक्षा अधिनियम, 2024 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। 10.76 लाख अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे, जिसके लिए 2,382 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।हर जिले में जिलाधिकारी नोडल अधिकारी होंगे और पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी निगरानी रखेंगे।परीक्षा की एकमात्र पाली सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।सरकार और आयोग के इस संयुक्त प्रयास का मकसद है परीक्षा प्रणाली में विश्वास, पारदर्शिता और ईमानदारी को मजबूत करना।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

कानपुर नगर निगम ने किया सफाई मित्रों का सम्मान

स्वच्छता रैंकिंग में मिली ऐतिहासिक उपलब्धि पर मेयर प्रमिला पांडेय ने जताया गर्व

» नगर निगम कानपुर को स्वच्छता रैंकिंग में बड़ी बढ़त मिली है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । नगर निगम द्वारा सोमवार को एक भव्य सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2024 में कानपुर को देश भर में 13वां स्थान और गंगा किनारे स्थित 32 शहरों में 5वां स्थान मिलने की उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। नगर निगम ने इस सफलता का श्रेय उन सफाई मित्रों को दिया, जिनके निरंतर समर्पण और परिश्रम से यह सम्मानजनक स्थान हासिल हुआ।

समारोह में माननीय महापौर ने सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए कहा, यह उपलब्धि आपके अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता का परिणाम है। आपका कार्य केवल नगर की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक स्वस्थ, सुंदर और स्वच्छ समाज की आधारशिला है।卐 उन्होंने सभी सफाई कर्मचारियों और नगर निगम के अधिकारियों से अगले वर्ष की तैयारियों को और अधिक उत्साह एवं ऊर्जा के साथ शुरू करने का आह्वान किया, जिससे कि कानपुर प्रथम स्थान प्राप्त कर सके।

इस गरिमामय अवसर पर अपर नगर आयुक्त (प्रथम) मोहम्मद अवेश, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय शंखवार, डॉ. अमित सिंह गौर, अतिरिक्त नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर, तथा वरिष्ठ लिपिक रफजुल रहमान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन सभी ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।कानपुर नगर निगम ने इस अवसर पर यह संदेश भी दिया कि वह अपने सफाई मित्रों के साथ मिलकर नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। समारोह का माहौल आत्मीयता और उत्साह से परिपूर्ण रहा, जिसने हर एक सफाई कर्मचारी को गर्व और प्रेरणा से भर दिया।

एसडीएम का एक्शन: 24 घंटे में बाउंड्री दुरुस्त करने के आदेश

» गोशाला में गंदगी और सूखा भूसा देख भड़के अफसर

» ग्रामवासियों की शिकायत पर मौके पर पहुंचे एसडीएम देवेंद्र सिंह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक की ग्राम पंचायत जगदीशपुर की वृहद गोशाला में भारी अव्यवस्था की शिकायत पर एसडीएम भोगनीपुर देवेंद्र सिंह ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टूटी हुई बाउंड्री, फैली कीचड़ और गोवंशों को दिया जा रहा सूखा भूसा देख अफसर भड़क उठे।

उन्होंने बीडीओ मलासा संजय कनौजिया को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 24 घंटे के भीतर टूटी बाउंड्री जाली ठीक कराई जाए और गोशाला की सफाई व्यवस्था सुधारी जाए। साथ ही गोवंशों के लिए हरा चारा तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। ग्रामवासियों ने बताया कि गोशाला की टूटी बाउंड्री के कारण रात के समय गोवंशी बाहर निकलकर खेतों की फसल नष्ट कर रहे हैं, जिससे गांव में कई बार विवाद भी हो चुका है। इसी जनआक्रोश के बाद स्वराज इंडिया की खबर पर एसडीएम ने संज्ञान लिया और तत्काल निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक कुमार, पंचायत सचिव रिंकल सिंह, लेखपाल अमर पाल, प्रधान धर्मेन्द्र सिंह समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

भोगनीपुर ओवरब्रिज के नीचे से हटाया गया कब्जा और गंदगी

» सब्जी-फल विक्रेताओं का कब्जा बना था नासूर, हाईवे अथॉरिटी ने चलाया बुलडोज़र अभियान

» केंद्रीय मंत्री से शिकायत के बाद NHAI ने दो दिन में की सख्त कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर ओवरब्रिज के नीचे वर्षों से जमा अतिक्रमण और गंदगी पर आखिरकार कार्रवाई हो ही गई। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने मंगलवार को जेसीबी और हाईड्रोला की मदद से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह कार्रवाई जनता की शिकायत पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के संज्ञान में मामला आने के बाद की गई।

कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इस ब्रिज के नीचे फल और सब्जी विक्रेताओं ने करीब 300 मीटर तक जगह घेरकर अस्थायी दुकानें और टेंट गाड़ रखे थे। कई विक्रेताओं ने तो खुलेआम गंदगी फैलाने और शौच करने की जगह तक बना ली थी, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कत हो रही थी।

जनता को राहत, सर्विस रोड हुआ साफ

एनएचएआई के परियोजना निदेशक झांसी शेर रावत के निर्देश पर आटा टोल प्लाजा के इंचार्ज हेमंत और उनकी टीम ने पहले दो दिन तक माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों को चेताया, पर असर न होते देख मंगलवार को बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया गया।

भोगनीपुर चौराहा, जो कालपी रोड और मुगल रोड के जंक्शन पर स्थित है,

वहां सब्जी विक्रेताओं के कारण दोनों सर्विस रोड पर हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी। अब अतिक्रमण हटने से आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गौकशी आरोपी से मुठभेड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

» आरोपी और सिपाही दोनों घायल, अस्पताल में भर्ती

» तीन आरोपी फरार, पुलिस ने शुरू की जंगल में कांबिंग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। देवरहाट थाना क्षेत्र में सोमवार रात पुलिस और गौकशी के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस फायरिंग में एक आरोपी चाँदबाबू के पैर में गोली लगी, वहीं पुलिस की ओर से सिपाही गुलशन को भी हाथ में गोली लगी। घायल सिपाही और आरोपी को इलाज के लिए पुखरायां सीएचसी भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा के निर्देश पर देवरहाट व भोगनीपुर पुलिस ने रसूलपुर जंगल में कांबिंग अभियान चलाया था।

इसी दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग में उसे घायल कर पकड़ लिया। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए।

पहले से थी सूचना, पुलिस ने घेरा जंगल

सूत्रों के मुताबिक, प्रेमपुर गांव में 20 जुलाई की सुबह पुलिस को गौकशी की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे ।पुलिस अधीक्षक के आदेश पर आरोपियों की तलाश जारी थी। सोमवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रसूलपुर जंगल में दबिश दी। मौके से तीन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने निरीक्षण कर टीम को निर्देश दिए हैं कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

कानपुर को मिला मंधना-भौंती बाईपास, जीटी रोड पर दिखेगा असर

» 425 करोड़ की लागत से 8.9 किमी लंबा फोरलेन प्रस्तावित

कानपुर से गुजरने वाला भारी ट्रैफिक अब शहर के बाहर से निकलेगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर की सबसे व्यस्त और जामग्रस्त सड़कों में शुमार जीटी रोड को जाम से मुक्ति दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। लोक निर्माण विभाग ने मंधना से भौती तक 8.9 किलोमीटर लंबे फोरलेन बाईपास का प्रस्ताव तैयार किया है। 425 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह बाईपास भारी वाहनों को शहर की सड़कों से हटाकर सीधे चकेरी-इटावा हाईवे से जोड़ देगा, जिससे जीटी रोड पर यातायात का दबाव 40त्न तक घटने की उम्मीद है।मंधना से शुरू होकर मॉडल डेयरी, लोधर, कुरसौली, नौरंगाबाद, टिकरा, सुरार और भौंती खेड़ा होते हुए यह बाईपास चकेरी-इटावा हाईवे से जुड़ जाएगा। इससे न केवल कानपुर के भीतर जाम की समस्या से राहत मिलेगी बल्कि कन्नौज, फर्रुखाबाद और आसपास के जिलों से आने-जाने वालों को भी सुगम मार्ग मिलेगा।योजना को मिला 'विजन-2051' में स्थानलोक निर्माण विभाग ने इस परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विजन-2051 योजना में शामिल किया है। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्र के अनुसार, इस बाईपास से इटावा, झांसी, आगरा व दिल्ली की दिशा में जाने वाले लाखों वाहनों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी।

लोधेश्वर महादेवा मंदिर में हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

» सावन का दूसरा मंगलवार बना ऐतिहासिक

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के पौराणिक लोधेश्वर महादेवा मंदिर में इस सावन मास के दूसरे मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और प्रशासनिक समर्पण का अनुपम संगम देखने को मिला। हजारों शिवभक्तों की भीड़ जब बाबा लोधेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए मंदिर में एकत्रित थी, उसी समय आसमान से पुष्पवर्षा ने इस धार्मिक आयोजन को एक अविस्मरणीय क्षण में बदल दिया।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने हेलीकॉप्टर से उड़ान भरते हुए श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की। आसमान से उड़ते हेलीकॉप्टर और नीचे जयकारों से गूंजते शिवधाम का दृश्य भावुक कर देने वाला था। 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी नारों और गुलाब की भीनी सुगंध से संपूर्ण वातावरण दिव्यता और भक्ति से सराबोर हो गया।

श्रद्धालुओं की आंखों में भक्ति के आँसू थे और चेहरों पर अलौकिक आनंद। यह पल उनके लिए किसी दैवीय आशीर्वाद से कम नहीं था। पूरे मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था।

इस पावन अवसर पर पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, यूपी जिला अधिकारी विवेकशील यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल कुमार, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे, चौकी इंचार्ज संतोष त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं हजारों शिवभक्त उपस्थित रहे।बाराबंकी प्रशासन की इस अभिनव पहल ने आस्था के इस महापर्व को और भी भव्य और भावनात्मक बना दिया, जिसे श्रद्धालु वर्षों तक स्मृति में संजोए रखेंगे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में मरीजों को और मिलेंगी सुविधाएं

» द्वितीय इमरजेंसी ऑपरेशन थियेटर और अत्याधुनिक स्किल लैब का हुआ लोकार्पण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राजधानी स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान के अंतर्गत संचालित राम प्रकाश गुप्ता मदर एवं चाइल्ड रेफरल हॉस्पिटल में सोमवार को द्वितीय इमरजेंसी ऑपरेशन थियेटर एवं अत्याधुनिक स्किल लैब का लोकार्पण समारोह श्रद्धा और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) सी.एम. सिंह ने फीता काटकर दोनों सुविधाओं का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस मौके पर निदेशक ने कहा कि, लोहिया संस्थान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। मरीजों की बढ़ती संख्या और आपात प्रसव की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए द्वितीय ऑपरेशन थियेटर की स्थापना एक दूरदर्शी कदम है, जिससे समयबद्ध और सुगम इलाज संभव हो सकेगा।उन्होंने बताया कि विभाग की स्किल लैब चिकित्सा विद्यार्थियों के प्रशिक्षण, अभ्यास और मूल्यांकन की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगी। यह सिम्युलेशन आधारित अत्याधुनिक सुविधा छात्रों को वास्तविक परिदृश्यों के लिए व्यावहारिक रूप से तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी।

लोकार्पण समारोह में संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्रीकेश सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू सिंह के साथ वरिष्ठ संकाय सदस्यगण डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. मालविका मिश्रा, डॉ. देवयानी मिश्रा, डॉ. नीति सिंह, डॉ. रूपिता कुलश्रेष्ठ, डॉ. नमिता दोहरे, डॉ. दीपमाला मोदी, डॉ. विषि रावत, डॉ. शालिनी वी. सिंह, समस्त रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ एवं तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामनगरी में 'भ्रष्टाचार की गारे' से हो रहा विकास!

» दीवारें गिर रही हैं, ज़मीर पहले ही ढह चुका है!

» ठेकेदारों के पंजों में जकड़ी अयोध्या की आत्मा, प्राधिकरण बना तमाशबीन!

» ईंट पीली, नियत काली विकास का रंगतमार नाटक चालू है!

» रामपथ पर दौड़ रहा है कमीशनपथ!

» जहां ईंट शर्मिंदा हो और सीमेंट बहाना दे वहां प्राधिकरण खामोश होता है!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामपथ को स्वर्णपथ बनाने का सपना देख रही अयोध्या में विकास प्राधिकरण की ज़मीन पर असल तस्वीर बेहद चौंकाने वाली है।शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के नाम पर **जो काम चल रहा है, वह भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का खुला उदाहरण बन चुका है।**

सूत्रों के मुताबिक, जिस ठेकेदार दिलीप सिंह को इस प्रोजेक्ट की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उसने निर्माण मानकों की धज्जियां उड़ा दी हैं। सबसे घटिया किस्म की पीली ईंटों का इस्तेमाल, गिट्टी की जगह मिट्टी जैसी सामग्री और दीवारों में ऐसा फमसालाफ कि खुद भ्रष्टाचार भी शरमा जाए यही है रामनगरी के सौंदर्यीकरण की हकीकत।

मजेदार बात यह रही कि जैसे ही मीडिया ने इस घटिया निर्माण की पड़ताल शुरू की, ठेकेदार ने आनन-फानन में ट्रैक्टर बुलवाकर पीली ईंटें हटवा दीं। विकास प्राधिकरण के अंतर्गत चाहे वह नाला निर्माण हो या सौंदर्यीकरण ठेकेदारों ने जमकर खेल किया है।

न गुणवत्ता की परवाह, न ही जवाबदेही की फिक्र।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभागीय मंत्री को खुद हस्तक्षेप कर यह देखना चाहिए कि अयोध्या के विकास के नाम

पर क्या वास्तव में विकास हो रहा है या केवल कागज़ी बुलडोज़र चल रहे हैं।विकास में बुराई नहीं लेकिन विकास के नाम पर भद्दा मजाक हो तो आवाज़ उठाना ज़रूरी है।

मया बाजार की दो ग्राम पंचायतों में घोटाले का पर्दाफाश

» अफसर-फर्म गठजोड़ से उड़ाया गया सरकारी धन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या के विकासखंड मया बाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत मया भीखी और सारंगपुर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत कराए गए निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार और अनियमितता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम मया भीखी निवासी पीयूष कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को सौंपे गए प्रार्थना पत्र में उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए पूरे प्रकरण में आवासीय भूखंडों पर सरकारी पैसे से निर्माण, फर्जी बिल, और अधिकारियों की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायत के मुताबिक वर्ष 2024-25 में मनरेगा के अंतर्गत गुलाबा तक इंटरलॉकिंग मार्ग तथा नहर से लाला के पुरवा तक इंटरलॉकिंग जैसे कार्य व्यक्ति विशेष की निजी भूमि (गाटा संख्या 427, रकबा 0.2580 हेक्टेयर) पर कराए गए हैं। इस भूमि पर आमजन का कोई आना-जाना नहीं होता, फिर भी करोड़ों रुपये के कार्य केवल निजी लाभ के लिए किए गए। यह भूमि करूणेश प्रताप सिंह के नाम दर्ज है।पीयूष सिंह ने आरोप लगाया कि इन कार्यों के नाम पर खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखाकार और परी इंटरप्राइजेज नामक फर्म की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार कर भुगतान किया गया। प्रार्थना पत्र में बिल संख्या और तिथियों का स्पष्ट उल्लेख है, जो घोटाले की गवाही दे रहा है।

ग्राम सारंगपुर में भी हालात कुछ अलग नहीं। वहां अधूरा खेल मैदान, अधकचरी इंटरलॉकिंग सड़कों, और फर्जी बिलिंग की शिकायतें दर्ज हैं। इस पंचायत में कार्यदायी संस्था शगुन कंस्ट्रक्शन पर जीएसटी चोरी और दस्तावेजी हेराफेरी के आरोप लगे हैं। बिल क्रमांक और तिथियों में भारी विसंगतियाँ बताती हैं कि पूरे सिस्टम को ठेंगा दिखाकर सरकारी खजाने को चूना लगाया गया है।शिकायतकर्ता पीयूष सिंह का कहना है, यह किसी एक पंचायत की कहानी नहीं है, बल्कि पूरी मनरेगा योजना की साख पर प्रश्नचिन्ह है। जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक ग्राम्य विकास का सपना सिर्फ दिखावा ही रहेगा।अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और इस घोटाले के तार कहां तक जुड़ते हैं। सवाल यह भी है कि जिन योजनाओं का उद्देश्य गांवों को सशक्त बनाना है, वो कहीं भ्रष्टाचार का अड्डा तो नहीं बन रही हैं? गांव की गली हो या मैदान, हर ईंट पर सवाल है। मनरेगा के नाम पर मया बाजार में मची माया का पर्दाफाश जरूरी है!

अयोध्या की गुलाब बाड़ी में 'अपमानित हो रहा तिरंगा'

» न प्रोटोकॉल, न सम्मान बस लटका है मौन!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिस तिरंगे के सम्मान में सैनिक सीमा पर जान लुटा देते हैं, उसी तिरंगे का अपमान हो रहा है नवाब शुजाउद्दौला के ऐतिहासिक मकबरे गुलाब बाड़ी परिसर में। यहां राष्ट्रध्वज नियमों और प्रोटोकॉल की खुली धज्जियां उड़ाता हुआ हर समय लटकता रहता है न कोई सलामी, न कोई तय समय पर आरोहण, न अवरोहण।

बारिश में भीगता है, तेज हवा में फड़फड़ाता है और फिर धूप में सूखता है। राष्ट्रगौरव का प्रतीक मात्र एक सजावटी कपड़े में तब्दील कर दिया गया है। यह झंडा अब सिर्फ एक रस्म बनकर रह गया है, जिसका न कोई अर्थ बचा है, न गरिमा। कहने को तो हम फतिरंगेफ पर जान देते हैं, लेकिन जब बात व्यवहार की आती है, तो खुद सरकार के संरक्षित स्थलों पर उसका यह हाल होता है।

स्वराज इंडिया का सवाल यह है कि

-क्या पर्यटन विभाग को इसका प्रोटोकॉल मालूम नहीं?

-क्या यह राष्ट्रध्वज अधिनियम 2002 का खुला उल्लंघन नहीं?

-क्या सिर्फ़ झंडा लगाने भर से देशभक्ति पूरी हो जाती है?

गुलाब बाड़ी में तिरंगा लहरा नहीं रहा, लटका है और वह लटक रहा है हमारी संवेदनाओं के साथ। अब भी आंखें न खुलीं तो कल ये रंग केवल फोटो फ्रेम में ही मिलेंगे।

प्रेमजाल में फंसाकर होटल में दुष्कर्म

हिंदू युवती को धमकाती रही 'सुल्तान' की मां

सात साल से चल रहा लव जिहाद का मामला, नाम बदलकर की थी दोस्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में लव जिहाद का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी युवक की मां भी इस लव जिहाद में शामिल थी। युवती ने बताया है कि यह काम 7 साल से चल रहा है। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। एक युवक ने नाम बदलकर एक युवती से दोस्ती की और फिर बाद में धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाने लगा। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने एक्शन लेते हुए आरोपी मुस्लिम युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, युवती मूल रूप से हरियाणा की रहने वाली है। वह इंदौर की एक आईटी कंपनी में काम करती है। युवती के मुताबिक, उसी कंपनी में साथ में काम करने वाला युवक सुल्तान रोशन नागोरी अपनी असली पहचान छिपाकर दोस्ती की। पहले तो दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती रही, लेकिन 2018 में सुल्तान ने उसे घुमाने के बहाने स्कीम नंबर 136 स्थित गोल्डन फार्म में बुलाया और वहां उसे शराब पिलाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

पीड़िता का आरोप है कि उस दौरान आरोपी ने उसकी फोटो और वीडियो भी बना लिए। बाद में ब्लैकमेल कर शादी के लिए दबाव बनाने लगा।

> सुल्तान की मां और उसके दोस्त भी मेरे पर लगातार दबाव बना रहे हैं। सुल्तान की मां ने काले जादू की धमकी दी और कहा कि अगर मैने सुल्तान से निकाह नहीं किया तो मेरी जान ले लेगी। सुल्तान का दोस्त आरिफभी लगातार ब्लैकमेल कर रहा है।
>
> पीड़ित युवती

डरा-धमकाकर कई बार किया दुष्कर्म : युवती ने शादी से इनकार कर दिया और कहा कि वह हिंदू है और धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहती है। इस पर आरोपी ने फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। उसी से ब्लैकमेल करते हुए अजमेर और नखराली ढाणी में भी युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी सुल्तान ने युवती को डरा-धमका कर दो दिन तक होटल में रखा और उसके साथ लगातार कई बार संबंध बनाए।

हिंदू जागरण मंच से आरोपी को दबोचा : पीड़िता के अनुसार, परेशान होकर वह 2019 में चंडीगढ़ चली गई, लेकिन मार्च 2025 में इंदौर लौटने के बाद आरोपी ने उसका फिर से पीछा करना शुरू कर दिया। हाल ही में उसने युवती को होटल में बुलाया और नशीला पदार्थ खिलाकर फिर से दुष्कर्म किया। मामले की जानकारी मिलने पर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता सक्रिय हुए और आरोपी को पकड़कर लसूड़िया थाना पुलिस के हवाले कर दिया। संगठन के कार्यकताओं का कहना है कि यह लव जिहाद का सुनियोजित मामला है।

पुलिस ने क्या कहा? : इस मामले में एडिशनल डीसीपी अमरेन्द्र सिंह ने कहा कि पुलिस ने एफआईआर दजज़ कर ली है। आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे को स्कूल के समय से जानते थे। फिलहाल पुलिस पूछताछ कर रही है और यह जांच भी की जा रही है कि कहीं कोई संगठित गिरोह तो इसमें शामिल नहीं है।

पीड़ितों की होगी मदद

लखनऊ में शुरू हुई 'सनातन हेल्पलाइन'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने आज सनातन हेल्पलाइन की औपचारिक शुरुआत की। पिछले दिनों विश्व हिंदू रक्षा परिषद द्वारा कराए गए धर्म संसद में सनातन हेल्पलाइन खोलने का प्रस्ताव पास हुआ था।

उप्र की राजधानी लखनऊ से धर्मांतरण के खिलाफ बड़ी पहल सामने आई है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने आज सनातन हेल्पलाइन की औपचारिक शुरुआत की। संस्था ने दावा किया है कि लगातार सामने आ रहे अवैध धर्मांतरण के मामलों को देखते हुए यह हेल्पलाइन शुरू की गई है, जिससे पीड़ित सीधे संपर्क कर सकें। इसकी खास बात यह है कि इसमें राज्यवार डेस्क बनाई है। पुरुषों व महिलाओं की अलग-अलग टीमें तैनात हैं। खासतौर पर पीड़ित महिलाओं की बात सुनने और उन्हें समझाने का काम महिला कर्मियों को सौंपा गया है ताकि वे सहज होकर अपनी बात रख सकें। विहिप ने बलरामपुर के छांगुर प्रकरण और आगरा धर्मांतरण केस से जुड़े पीड़ितों के लिए अलग से विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इस हेल्पलाइन मे कुल मिलाकर 10 हेल्पलाइन नंबर सक्रिय किए गए हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए। सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरुआत जेडीयू सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर थी कि धनखड़ इस्तीफा वापस नहीं लेंगे, ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रात अपने पद इस्तीफा दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों को इसकी वजह बताया।

नोटम जारी | **बाड़मेर से जोधपुर के बीच दो दिन तक अभ्यास करेगी**

भारत-पाक सीमा के पास अभ्यास करेगी भारतीय वायुसेना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

राजस्थान। भारतीय वायु सेना 23 से 25 जुलाई तक पाकिस्तान सीमा के पास दो दिवसीय अभ्यास करेगी। भारतीय वायुसेना राजस्थान के बाड़मेर से जोधपुर सेक्टर के बीच अभ्यास करेगी। यह इलाका पाकिस्तानी सीमा के पास है। भारत-पाकिस्तान के बीच हवाई संघर्ष के दौरान भी सबसे ज्यादा पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलें इसी इलाके में आई थीं। हालांकि, भारतीय वायुसेना ने इन्हें मार गिराया था। भारतीय वायुसेना के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र के लिए एक नोटम जारी किया गया है।

नोटिस टू एयरमेन तब जारी किया जाता है, जब किसी हवाई क्षेत्र को खाली कराना होता है। पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान भी सीमा से सटे इलाकों में नोटम जारी किया गया था, ताकि कोई भी यात्री विमान हवाई हमलों की चपेट में न आए।

अभ्यास में राफेल-सुखोई होंगे शामिल : भारतीय वायुसेना के इस अभ्यास में राफेल, सुखोई-30 और जगुआर जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों के साथ-साथ अन्य विमान भी शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना राफेल और मिराज 2000 के साथ प्रमुख सीमा अभ्यास करेगी। इस अभ्यास को एक पूवज़ नियोजित, नियमित प्रशिक्षण अभ्यास बताया जा रहा है। यह जमीनी और हवाई लक्ष्यों सहित विभिन्न युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करेगा और इसमें रात्रिकालीन अभियान भी शामिल होंगे।